परेशानी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परासी के संबंध में पूर्व सरपंच ने शासन को सौंपा आवेदन, छोटे-बड़े व्यय के लिए बीएमओ कार्यालय से लेनी पड़ती है अनुमति

सीमित वित्तीय अधिकारों से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

अनूपपुर नवभारत 24 जनवरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परासी, विकासखंड अनूपपुर में रोगी कल्याण समिति (आरकेएस) एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत सीमित वित्तीय अधिकार होने के कारण अस्पताल संचालन में गंभीर व्यावहारिक कठिनाइयां सामने आ रही हैं। इस संबंध में पूर्व सरपंच वीरेंद्र सिंह परासी ने शासन एवं प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए विस्तृत आवेदन प्रस्तुत किया है।

पूर्व सरपंच वीरेंद्र सिंह परासी ने अपने आवेदन में स्पष्ट किया है कि अस्पताल स्तर पर दैनिक प्रशासनिक कार्यों एवं आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल निर्णय लेने में सबसे बड़ी बाधा वित्तीय स्वीकृति की प्रक्रिया है। वर्तमान व्यवस्था में प्रत्येक छोटे-बड़े व्यय के लिए बीएमओ कार्यालय अथवा लेखा शाखा से अनुमति लेना अनिवार्य है, जिससे समय पर आवश्यक सहयोग नहीं मिल पाता।

आपात सेवाओं पर पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव

पूर्व सरपंच वीरेंद्र सिंह परासी के अनुसार त्वरित वित्तीय निर्णय नहीं हो पाने के कारण आपातकालीन स्थितियों में रोगी सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। दवाइयों, वैक्सीन एवं अन्य आवश्यक सामग्री के परिवहन, साथ ही आपातकालीन रेफरल के लिए वाहनों की ईंधन व्यवस्था में भी विलंब की स्थिति बन रही है

अस्पताल रखरखाव में आ रहीं बाधाएं

आवेदन में पूर्व सरपंच वीरेंद्र सिंह परासी ने उल्लेख किया है कि अस्पताल भवन की लघु मरम्मत, विद्युत एवं जल आपूर्ति से जुड़े कार्य, साफ-सफाई, पुताई तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के अनुरक्षण में समय पर कार्य नहीं हो पा रहा है। इससे अस्पताल परिसर की स्वच्छता और सुविधाओं पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है

क्षेत्र के कई गांवों के मरीजों पर पड़ रहा असर

पूर्व सरपंच वीरेंद्र सिंह परासी ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परासी केवल परासी ग्राम ही नहीं, बल्कि इसके अंतर्गत आने वाले ग्राम परोड़, धूरवासिन, तितरी, पौड़ी, लतार, हरद, कोटमी सहित अन्य आसपास के गांवों की बड़ी आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है।

ऐसे में वित्तीय अधिकारों के अभाव का सीधा असर इन सभी ग्रामों के मरीजों पर पड़ रहा है।

असंतोष और विवाद की स्थिति

पूर्व सरपंच वीरेंद्र सिंह परासी ने यह भी रेखांकित किया है कि समस्याओं का त्वरित समाधान नहीं होने से स्थानीय जनता एवं रोगियों में असंतोष की भावना उत्पन्न होती है कई बार अस्पताल स्टाफ और मरीजों अथवा उनके परिजनों के बीच विवाद, मौखिक बहस एवं तनाव की स्थिति बन जाती है, जिससे अस्पताल का शांतिपूर्ण एवं सुचारु संचालन प्रभावित होता है। पूर्व सरपंच ने आशा व्यक्त की है कि शासन द्वारा यह मांग स्वीकार की जाती है तो क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं का सुचारु संचालन हो सकेगा।

मादा भालू ने दो शावकों को दिया जन्म

आमाडांड गांव में खंडहर मकान में दिखे शावक

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले कोतमा के आमाडांड गांव में गत दिनों एक मादा भालू ने एक खंडहर घर के अंदर दो शावकों को जन्म दिया, ग्रामीणों द्वारा वन विभाग सूचना दिए जाने पर वन विभाग द्वारा निगरानी की जा रही है।

परिक्षेत्र सहायक मलगा राजमणि सिंह ने शनिवार को बताया कि वन परिक्षेत्र कोतमा अंतर्गत आमाडांड गांव में स्थित ग्राम पंचायत भवन के पास एक खंडहर घर के अंदर गत दिनों एक मादा भालू ने दो शावकों को जन्म दिया ग्रामीणों द्वारा मादा भालू को खंडहर घर के अंदर जाते देखा तथा कौतूहल वश अंदर जा कर देखने पर भालू के बच्चों की आवाज सुनाई दिए जाने पर वन विभाग को सूचना दी। बीट प्रभारी मलगा दादूराम कुशवाहा वन विभाग की कर्मचारियों एवं सुरक्षाश्रमिकों के साथ स्थल का निरीक्षण कर भालू द्वारा दिए गए जन्म के स्थल को सुरक्षित किया तथा निरंतर निगरानी की जा रही है। मादा भालू के खंडहर मकान में बच्चों को जन्म देने से ग्रामीणों में कौतूहल का विषय बना हुआ है।

भालू के हमले में युवक घायल

इस बीच गुरूवार को पंचायत भवन आमाडांड के समीप एक भालू द्वारा आमाडांड निवासी मुकेश केवट पर हमला कर घायल कर दिया। पीड़ित को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में भर्ती किया गया, जहां उसका उपचार किया गया।

बसंतोत्सव में विद्या की आराधना व संस्कारों का संगम

शासकीय विद्यालय में वीणावादिनी मां सरस्वती की विधिवत की गई पूजा-अर्चना

अनूपपुर नवभारत 24 जनवरी। शासकीय माध्यमिक विद्यालय, कन्या बस्ती अनूपपुर में बसंतोत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ किया गया। इस पावन अवसर पर विद्या की देवी, वीणावादिनी मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना विद्यालय परिवार द्वारा संपन्न की गई। विद्यालय परिसर भक्ति, अनुशासन और उल्लास से सराबोर रहा।

कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद कंचन सिंह, पार्षद सुभाष पटेल, रेलवे मजदूर कांग्रेस के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव एवं पालक-शिक्षक संघ की अध्यक्षा गीता बाई मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप

प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा छात्राओं के सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना की।

बसंतोत्सव सृजनशीलता का प्रतीक है : पार्षद

इस अवसर पर पार्षद कंचन सिंह ने कहा कि बसंतोत्सव केवल ऋतु परिवर्तन का पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और सृजनशीलता का प्रतीक है। मां सरस्वती की आराधना से विद्यार्थियों में विवेक, अनुशासन और बौद्धिक चेतना का विकास होता है। लक्ष्मण राव ने विद्यालय की गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि शासकीय विद्यालय कन्या बस्ती में शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ-साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रधानाचार्य अजय कुमार प्रसाद ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित शिक्षा नहीं, बल्कि संस्कार, और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना है।

हितग्राहियों को मिला सूकर पालन का प्रशिक्षण व संसाधन

नवभारत,जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय (एनडीवीएसयू), जबलपुर के पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय के प्रसार शिक्षा विभाग द्वारा अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के लिए तीन दिवसीय सूकर पालन प्रशिक्षण एवं वितरण कार्यक्रम का आयोजन पशुधन फार्म, अधारताल में किया गया। यह कार्यक्रम कुलपति डॉ. मंदीप शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में तथा आईसीएआर-राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, भोपाल की परियोजना टीके एवं डायग्नोस्टिक्स पर कंसोर्टियम अनुसंधान मंच के वित्तीय सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में डीन डॉ. आर. के. शर्मा एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. सुनील नायक का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन रहा। पंजीकरण उपरांत आईसीएआर-सीआरपीजीडी, भोपाल से पधारे डॉ. जी. वेंकटेश (प्रधान वैज्ञानिक) एवं डॉ. सेंथिल कुमार ने सूकर पालन पर व्याख्यान देकर वैज्ञानिक तरीके से पालन की जानकारी दी।

पशु तस्करों से 10 मवेशी सहित पिकअप जब्त

9 आरोपियों पर एफआईआर, 5 गिरफ्तार, 4 फरार

अनूपपुर नवभारत 24 जनवरी। थाना कोतमा पुलिस ने अवैध पशु तस्करी करने वालों के विरूध्द कार्यवाही करते हुए 5 आरोपी गिरफ्तार कर 10 मवेशी कीमती 4 लाख को कराया मुक्त कराकर एक पिकअप वाहन को जब्त किया। आरोपियों के खिलाफ पशु परिरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया हैं, वहीं 4 फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी कोतमा निरीक्षक रत्नाम्बर शुक्ल ने बताया कि शुक्रवार की रात मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक पिकअप वाहन में क्रूरता पूर्वक मवेशी (भैंस पडा) भरकर लामाटोला से बोडरी तरफ ले जा रहे हैं। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए देर रात ग्राम खोडरी तिराहे पर नाकाबंदी कर वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, जो नही रूका। पुलिस ने पीछा कर वाहन को बोड़री जैताबहरा के जंगल के रास्ते से 5 व्यक्तियों के साथ पिकअप को मवेशियों के साथ पकड़ा। पिकप में 3 नग भैस, 1 नग पड़ा, 1 नग पहरू को क्रूरता पूर्वक बांधकर भरा गया था, जिसे जप्त किया गया।

5 मवेशी जंगल में बांध रखे थे

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि एक दिन पहले भी इसी तरह से 5 मवेशी (भैस पडा) पिकअप वाहन से लाकर रज्जू पाव निवासी जैताबहरा के घर के पास जंगल में पेड़ के नीचे बांधना बताया, जिन्हे मुक्त कराया गया। पुलिस द्वारा कुल 10 मवेशी (भैंस पडा) कीमत करीबन 400000 रुपये एवं पिकअप वाहन कीमत करीबन 400000 रुपये को जब्त कर सारंगगढ गौशाला में सुरक्षार्थ रखा गया।

छत्तीसगढ़ से खरीद कर बूचड़खानों में भेजते थे

पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि आरिफ खान एवं अल्फैज खान निवासी झीकबिजुरी तथा नीलू उर्फ निलेश पान्डेय निवासी बोडरी द्वारा पैसे लगाकर भैंस पड़ा छत्तीसगढ़ से खरीद कर वाहन से मंगवाये जाते हैं फिर बोडरी तथा जैताबहरा के जंगल में इकट्ठा कर बाद में बड़ी गाड़ियों से बाहर बूचड़खानों में भेजा जाता है। आरोपी योगेश उर्फ लल्लू यादव के मोबाइल फोन में पशु तस्करी के संबंध में आरोपी नीलू उर्फ निलेश पान्डेय की बातचीत का रिकॉर्ड मिला है।

संतुलित आहार ही स्वस्थ जीवन की आधारशिला

नवभारत,जबलपुर। शासकीय मोहनलाल हरगोविंददास गृह विज्ञान एवं विज्ञान स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर में युवाओं हेतु स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम 'ईट राइट, शाइन ब्राइट' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मल्लिका बैनर्जी नड्डा (नई दिल्ली) ने स्वस्थ आहार, अनुशासित जीवनशैली एवं जागरूक नागरिक बनने पर प्रेरक उद्बोधन दिया।

26 जनवरी को ताप विद्युत गृह चचाई को किया जाएगा पुरस्कृत

मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी के पावर हाउस में गणतंत्र दिवस पर होंगे विविध कार्यक्रम

अनूपपर नवभारत 24 जनवरी। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने गणतंत्र दिवस पर ताप व जल विद्युत गृहों को दिए जाने वाले सर्वश्रेष्ठ विद्युत गृह वार्षिक पुरस्कार की घोषणा कर दी है।

यह पुरस्कार ताप व जल विद्युत गृहों में कार्यरत कार्मिकों को उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए प्रोत्साहित करने, तकनीकी दक्षता को नई

ऊंचाइयों तक ले जाने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के मौके पर प्रदान किए जाते हैं। इसमें जिले में स्थित अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई को लम्बी अवधि तक चलने पर पुरस्कृत किया जायेगा। चचाई की यूनिट को मिला सबसे लम्बी अवधि तक चलने वाले पावर हाउस का अवार्ड- अमरकंटक ताप विद्युत गृह की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 4 को सबसे लम्बी अवधि तक निरंतर चलने वाली यूनिट के रूप में स्थायी शील्ड व 5 लाख रूपए नगद राशि का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी को भी मिलेगा पुरस्कार

सारनी को सर्वश्रेष्ठ पावर स्टेशन कॉम्प्लेक्स का पुरस्कार सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी को समग्र प्रदर्शन, सुव्यवस्थित परिसर प्रबंधन व दीर्घकालिक विद्युत उत्पादन क्षमता बनाए रखने के लिए सर्वश्रेष्ठ पावर स्टेशन कॉम्प्लेक्स का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ ताप विद्युत गृह पुरस्कार बिरसिंगपुर के पावर हाउस नंबर 3 को प्रदान किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस की परेड का किया पूर्वाभ्यास

कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक ने लिया तैयारियों का जायजा

अनूपपुर नवभारत 24 जनवरी। जिले में 26 जनवरी को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह को लेकर शनिवार को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर के प्रांगण में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार फुल ड्रेस रिहर्सल का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान कलेक्टर हर्षल पंचोली,पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम, एसडीएम अनूपपुर कमलेश पुरी, तहसीलदार ईश्वर प्रधान सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने प्लाटून की सलामी ली। तत्पश्चात मुख्य अतिथि का आगमन मंच पर हुआ। उन्होंने ध्वज फहराया। पुलिस बैंड ने राष्ट्रगान की धुन प्रस्तुत की।

परेड कमांडर रहीं रक्षित निरीक्षक ज्योति दुबे

परेड कमाण्डर के रूप में रक्षित निरीक्षक ज्योति दुबे व सेकण्ड इन कमाण्डर के रूप में सूबेदार अमरीष कुमार साहू ने परेड का नेतृत्व किया। परेड में विशेष सशस्त्र बल 10 वीं वाहिनी (एसएएफ), जिला पुलिस बल (पुरुष), जिला पुलिस बल (महिला), जिला होमगार्ड बल, एनसीसी, स्काउट गाईड तथा महिला बाल विकास विभाग के शौर्या दल ने भाग लिया। संचालन जिपं के पीआरओ अमित श्रीवास्तव तथा हाई स्कूल मौहरी की प्राचार्य लतिका श्रीवास्तव ने किया।

माहेश्वरी समाज ने जोधपुर सम्मेलन में ली नई सीख

फिजूल खर्ची रोकने की दिशा में पहल

अनूपपुर नवभारत 24 जनवरी। फिजूलखर्ची रोकने की दिशा में माहेश्वरी समाज ने सार्थक पहल की है। हाल ही में 9 से 11 जनवरी तक जोधपुर में आयोजित माहेश्वरी महाकुंभ में पारित प्रस्तावों के अमल के क्रम में पूर्वी मध्य प्रदेश माहेश्वरी सभा के अंतर्गत गुना जिला माहेश्वरी सभा द्वारा फिजूलखर्ची रोकने की दिशा में 23 जनवरी को गुना में एक सराहनीय प्रयास किया गया। शहडोल माहेश्वरी समाज के

जिला अध्यक्ष सुनील मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि इस क्रम में जिला सभा के तत्वावधान में सामूहिक विवाह आयोजन का सफलतापूर्वक संपन्न होना समाज के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण है। इस आयोजन में माहेश्वरी समाज के चार विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं उनके परिवारजनों को समझाकर दोनों पक्षों की समुचित काउंसलिंग कर सम्मेलन का आयोजन किया गया ताकि विवाह में होने वाले अनावश्यक दिखावे एवं फिजूलखर्ची पर नियंत्रण किया जा सके।

आयोजन उत्सव जैसा रहा

इस अवसर पर प्रदेश सभा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश मानद मंत्री, महासभा कार्यसमिति सदस्य, महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्षा, ग्वालियर एवं भोपाल अंचल के आंचलिक उपाध्यक्ष सहित प्रदेश कार्यकारिणी के अनेक सदस्य तथा महासभा कार्यकारी मंडल के सदस्यों की उपस्थिति रही। यह आयोजन जिला सभा के प्रत्येक सदस्य के लिए एक उत्सव के समान था, जिसमें सभी लोग उत्साह और समर्पण भाव से व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

आकाश एजुकेशनल और भारतीय सेना के बीच एमओयू

नवभारत,जबलपुर। टेस्ट प्रिपरेशन के क्षेत्र में अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज़ लिमिटेड ने सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के उद्देश्य से भारतीय सेना के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के तहत सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों, वीरता पुरस्कार विजेताओं, दिव्यांग कर्मियों तथा शहीदों के परिवारों को शैक्षणिक सहायता प्रदान की जाएगी। एईएसएल की ओर से डॉ. यश पाल, चीफ अकैडमिक एंड बिज़नेस हेड (दिल्ली-एनसीआर) द्वारा हस्ताक्षरित किया गया।

आयोजन

नर्मदा महोत्सव के पहले दिन निकली शोभायात्रा, अखंड कीर्तन, निर्झरणी महोत्सव, महाआरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

25 अरब साल पहले हुआ था मां नर्मदा का जन्म : वंदे महाराज

अनूपपुर नवभारत 24 जनवरी। जिले में स्थित मध्यप्रदेश की जीवन रेखा, संस्कृति सलिला मां नर्मदा की जयंती प्रदेश में धूमधाम से मनाई जायेगी। मां नर्मदा का प्राकट्य कोई हजार या लाखों साल पुरानी बात नहीं, बल्कि यह 25 अरब साल से भी ज्यादा पुरानी है। यह दावा है अमरकंटक के पुजारी वंदे महाराज का हैं।

नर्मदा जन्मोत्सव का पवित्र पर्व अमरकंट सहित प्रदेशभर सहित अन्य प्रदेशों में जहां से नर्मदा गुजरती हैं नर्मदा घाटों में धूमधाम से मनाया जाता हैं। मां नर्मदा की उद्गम स्थली पवित्र नगरी अमरकंटक में दो दिवसीय मां नर्मदा महोत्सव का मुख्य आयोजन शनिवार से प्रारंभ हो गया हैं। नर्मदा

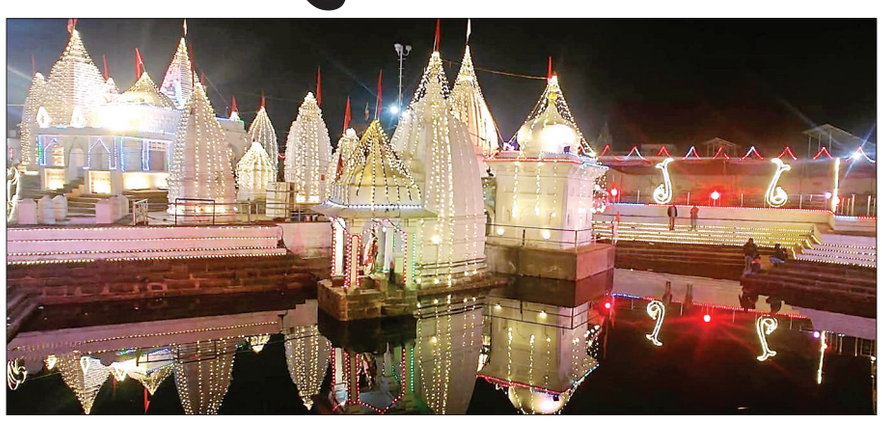

महोत्सव के प्रथम दिवस पर प्रात: 11 बजे मां नर्मदा की शोभायात्रा, दोपहर 1 बजे अखंड कीर्तन, शाम 4 बजे निर्झरणी महोत्सव, शाम 7 बजे महाआरती और रात्रि 8 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

देव, दानव व ऋषि नर्मदा तट पर निवास करते थे

अमरकंटक पुजारी वंदे महाराज ने बताया कि अमरकंटक की इस पावन भूमि पर नर्मदा मैया का जन्म हुआ था, तब से नर्मदा मैया का जन्म जन्मोत्सव मनाया जाता है, जो नर्मदा के प्राकट्य से देव, दानव, ऋषियों, मुनियों, गंधर्व आदि द्वारा मनाया जाता रहा। यह सभी नर्मदा तट पर निवास करते थे और आज भी करोड़ों साल से यह परंपरा जारी है।

नर्मदा जन्मोत्सव का चौंकाने वाला गणित

उन्होंने नर्मदा जन्मोत्सव का चौंकाने वाला गणित बताते हुए कहा कि नर्मदा मैया के इस पावन जन्म को 25 अरब 88 करोड़ 49 लाख 6 हजार 127 वर्ष होने जा रहे हैं। जिस प्रकार कलयुग में 4 करोड़ 30 लाख वर्ष होते हैं। उसी प्रकार सारे युगों का कुल एक महायुग कहलाता है, जिसमें 43 लाख 20 हजार वर्ष होता है. वहीं, 1000 महायुग मिलाकर 1 कल्प होता है यानी भगवान ब्रह्मा के एक दिन के समान (4320 करोड़ वर्ष) इसी गणना के मुताबिक इस वर्ष 25 अरब 88 करोड़ 49 लाख 6 हजार 127वां नर्मदा जन्मोत्सव मनाया जा रहा हैं।

हर हर शंभू फेम अभिलिप्सा देंगी प्रस्तुति

अमरकंटक में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन रविवार की सुबह 11 बजे मां नर्मदा जन्मोत्सव पूजन, दोपहर 12 बजे कन्या पूजन व भंडारा, शाम 6.45 बजे मां नर्मदा मंदिर प्रांगण में महाआरती, शाम 7.15 बजे रामघाट अमरकंटक में मां नर्मदा महाआरती का आयोजन होगा. इसके बाद रात्रि 8 बजे सांस्कृतिक संध्या में 'हर हर शंभू शिव महादेवा' फेम मशहूर गायिका अभिलिप्सा पांडा द्वारा भक्ति गीतों की विशेष प्रस्तुति रामघाट के उत्तर तट में दी जाएगी।

हाथियों का दल पहुंचा पोड़ी के जंगल, सतर्क रहने की अपील

अनूपपुर नवभारत 24 जनवरी। जिले में तीन हाथियों का दल शनिवार को 33वें दिन अनूपपुर वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत एवं वन बीट पोंडी के जंगल में विचरण कर रहें है। हाथियों के विचरण पर वन विभाग निरंतर निगरानी रखते हुए ग्रामीणों को हाथियों से बचाव की अपील की है। हाथियों का यह दल नए-नए स्थानों से होकर विचरण कर रहा है। तीन जंगली हाथियों का समूह जो 33 दिन पूर्व छत्तीसगढ़ की सीमा को पार कर अनूपपुर जिले के जैतहरी क्षेत्र में निरंतर विचरण करने बाद चार दिनों से अनूपपुर वन परिक्षेत्र के ग्रामीण अंचल गुवारी, अमगवां,छुलहा, भगतबांध होकर शुक्रवार की रात सोन नदी को पार कर ग्राम पंचायत बरबसपुर के भोलगढ़ सीतापुर,बरबसपुर होते हुए शनिवार की सुबह वन बीट पोंडी के जंगल में डेरा जमायें हुए हैं।